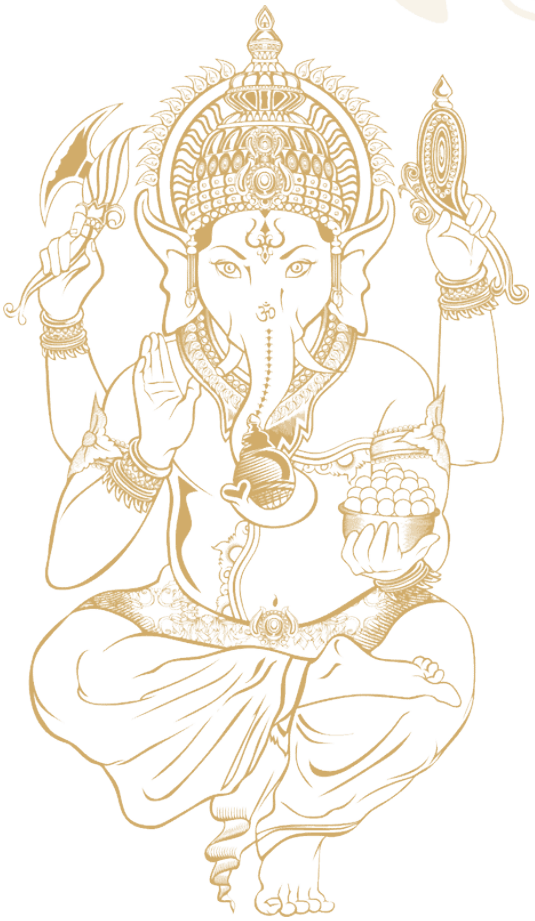

19 Jan 2026

04:20 AM

Arakonam

Model: web-freekundliweb

Order No: 120974204

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18-19/01/2026**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**04:20:00 घंटे**
इष्ट	54:14:22 घटी
स्थान	**Arakonam**
राज्य	Tamil Nadu
देश	India

अक्षांश	13:05:16 उत्तर
रेखांश	79:40:06 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:11:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:08:40 घंटे
वेलान्तर	-00:10:20 घंटे
साम्पातिक काल	12:02:05 घंटे
सूर्योदय	06:38:15 घंटे
सूर्यास्त	18:05:21 घंटे
दिनमान	11:27:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	04:38:07 मकर
लग्न के अंश	00:58:17 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वज्र
करण	किंस्तुघ्न
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जयन्ती
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	00:58:17	328:40:25	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			मक	04:38:07	01:01:06	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मक	06:03:29	12:31:21	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
मंगल		अ	मक	02:19:30	00:46:38	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
बुध		अ	मक	02:52:40	01:39:17	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	24:44:13	00:07:52	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	07:33:52	01:15:26	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	मित्र राशि
शनि			मीन	03:13:33	00:05:01	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:16:19	00:06:03	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:16:19	00:06:03	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:21:01	00:00:50	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:35:35	00:01:19	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:03:24	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कन्या	06:20:57	--	उ०फाल्गुनी	--	12	बुध	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:22

लग्न-चलित

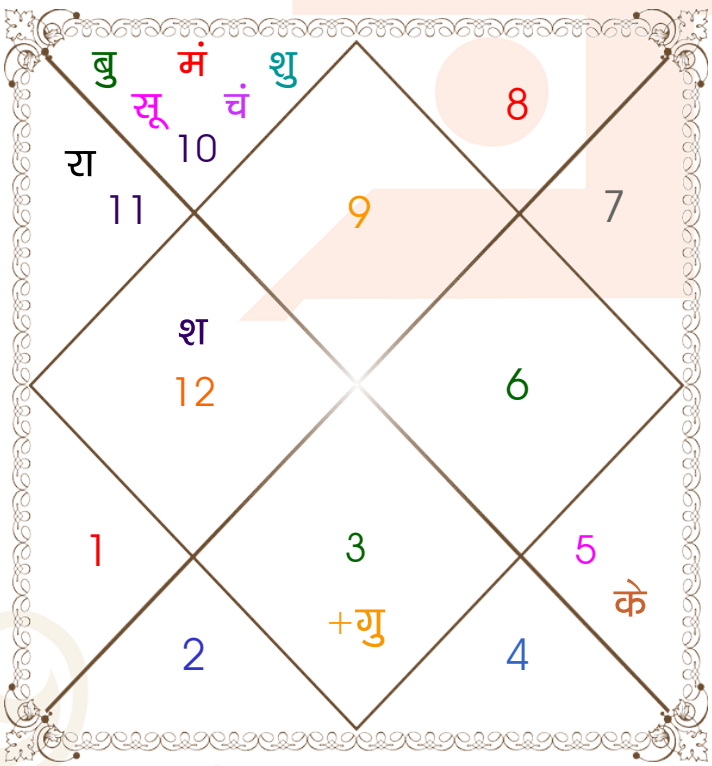

चन्द्र कुंडली

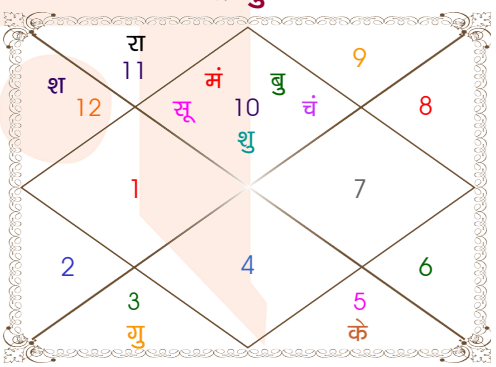

नवमांश कुंडली

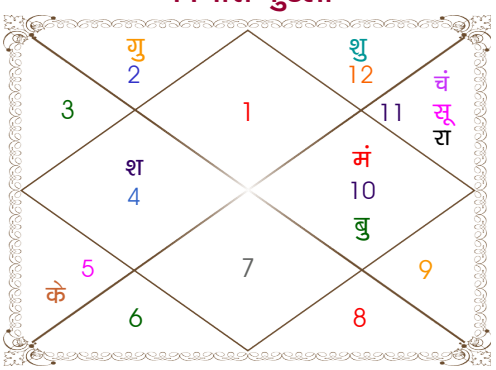

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 9 मास 8 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
19/01/2026		29/10/2027		28/10/2037		28/10/2044		28/10/2062	
29/10/2027		28/10/2037		28/10/2044		28/10/2062		28/10/2078	
	00/00/0000	चंद्र	28/08/2028	मंगल	26/03/2038	राहु	11/07/2047	गुरु	16/12/2064
	00/00/0000	मंगल	29/03/2029	राहु	14/04/2039	गुरु	04/12/2049	शनि	29/06/2067
	00/00/0000	राहु	28/09/2030	गुरु	20/03/2040	शनि	10/10/2052	बुध	04/10/2069
	00/00/0000	गुरु	28/01/2032	शनि	28/04/2041	बुध	29/04/2055	केतु	10/09/2070
	00/00/0000	शनि	28/08/2033	बुध	26/04/2042	केतु	16/05/2056	शुक्र	11/05/2073
	19/01/2026	बुध	28/01/2035	केतु	22/09/2042	शुक्र	17/05/2059	सूर्य	27/02/2074
बुध	22/06/2026	केतु	29/08/2035	शुक्र	22/11/2043	सूर्य	10/04/2060	चंद्र	29/06/2075
केतु	28/10/2026	शुक्र	28/04/2037	सूर्य	29/03/2044	चंद्र	10/10/2061	मंगल	04/06/2076
शुक्र	29/10/2027	सूर्य	28/10/2037	चंद्र	28/10/2044	मंगल	28/10/2062	राहु	28/10/2078

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
28/10/2078		28/10/2097		29/10/2114		29/10/2121		29/10/2141	
28/10/2097		29/10/2114		29/10/2121		29/10/2141		00/00/0000	
शनि	31/10/2081	बुध	27/03/2100	केतु	27/03/2115	शुक्र	28/02/2125	सूर्य	16/02/2142
बुध	10/07/2084	केतु	24/03/2101	शुक्र	27/05/2116	सूर्य	28/02/2126	चंद्र	17/08/2142
केतु	19/08/2085	शुक्र	23/01/2104	सूर्य	01/10/2116	चंद्र	30/10/2127	मंगल	23/12/2142
शुक्र	19/10/2088	सूर्य	28/11/2104	चंद्र	02/05/2117	मंगल	29/12/2128	राहु	17/11/2143
सूर्य	01/10/2089	चंद्र	30/04/2106	मंगल	29/09/2117	राहु	29/12/2131	गुरु	04/09/2144
चंद्र	02/05/2091	मंगल	27/04/2107	राहु	17/10/2118	गुरु	29/08/2134	शनि	17/08/2145
मंगल	10/06/2092	राहु	13/11/2109	गुरु	23/09/2119	शनि	29/10/2137	बुध	20/01/2146
राहु	17/04/2095	गुरु	19/02/2112	शनि	01/11/2120	बुध	29/08/2140		00/00/0000
गुरु	28/10/2097	शनि	29/10/2114	बुध	29/10/2121	केतु	29/10/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 9 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाली प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रही है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलती रहती हैं। परंतु यह नहीं सोचती हैं कि बातों की सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपके कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपके भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकती। आप चिंतन कर सकती हैं कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगी।

साथ-साथ घरेलू मामलों में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपने प्यारे पति एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगी। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगी। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करती हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताती हैं। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखती हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझती हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगी एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगी।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगी। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकती हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाली बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकती हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।